सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" हर पेड़ फल दे यह जरूरी नहीं,
किसी की छाया भी बड़ा सुकून देता है...!! "

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-181 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 20 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

देवरी के पास सड़क हादसा : RPF निरीक्षक तरुणा साहू ने दिखाई मानवता की मिसाल

घायलों को अस्पताल पहुंचाया, सामान घर तक पहुंचवाकर निभाया अपना कर्तव्य

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

वर्दी सिर्फ कानून की रक्षा का प्रतीक नहीं होती, बल्कि इंसानियत की भी होती है। यह मिसाल 15 जुलाई को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट राजनांदगांव की प्रभारी निरीक्षक तरुणा साहू ने देवरी गांव के पास पेश की। नागपुर से ड्यूटी कर लौटते समय निरीक्षक तरुणा साहू की गाड़ी देवरी गांव के पास से गुजर रही थी। तभी उन्होंने हाईवे पर एक भीषण सड़क दुर्घटना देखी। उनकी गाड़ी आगे निकल चुकी थी, लेकिन उन्होंने बिना समय गंवाए वाहन वापस मोड़कर घटनास्थल पर पहुंचने का निर्णय लिया।

घायलों की मदद कर पहुंचाया अस्पताल

मौके पर अफरा-तफरी का माहौल था। चारों ओर खून से लथपथ घायल लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। निरीक्षक साहू ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने एंबुलेंस की व्यवस्था कर सभी घायलों को देवी अस्पताल पहुंचाया और चिकित्सकों से शीघ्र उपचार का आग्रह किया।

जब पता चला कि दुर्घटनाग्रस्त परिवार राजनांदगांव का ही है, तो उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपना कर्तव्य यहीं तक सीमित नहीं रखा। परिवार का बिखरा हुआ सामान उन्होंने अपनी गाड़ी में सुरक्षित रखा और

उसे उनके घर तक पहुंचवाया। साथ ही हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया।

वर्दी में इंसानियत का चेहरा

अस्पताल प्रशासन के अनुसार कुछ घायल अभी भी उपचाराधीन हैं, जबकि अन्य को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

निरीक्षक तरुणा साहू रेलवे सुरक्षा बल में निष्ठा से ड्यूटी निभाने के साथ-साथ पंडवानी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को देशभर में पहचान दिलाने के लिए भी जानी जाती हैं। संकट की इस घड़ी में उनके मानवीय कार्य की हर ओर सराहना हो रही है।

स्थानीय लोगों ने कहा, "वर्दी की असली पहचान केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि समय पर निभाई गई इंसानियत भी है।" और तरुणा साहू ने इसे सच कर दिखाया।

बिलासपुर प्लेस ऑफ सेफ्टी में चौकीदार हत्या कांड

पटना से दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार, अब 2 फरार ; SSP बोले- भड़काने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

प्लेस ऑफ सेफ्टी (विशेष गृह) में चौकीदार नरेंद्र कुमार खांडे की हत्या और चार किशोर अपचारियों के फरार होने के मामले में बिलासपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पटना, बिहार से फरार चल रहे किशोर अपचारी विशाल चौबे को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं, जबकि अन्य दो की तलाश लगातार जारी है।

12-13 जुलाई 2026 की मध्यरात्रि प्लेस ऑफ सेफ्टी में चौकीदार नरेंद्र खांडे की हत्या के बाद चार किशोर अपचारी वहां से फरार हो गए थे। घटना के बाद थाना सरकंडा में अपराध दर्ज कर विशेष पुलिस टीमें बनाई गई। आरोपियों की तलाश में कोरबा, रायगढ़, बिहार, अनूपपुर और उत्तर प्रदेश में दबिश दी गई।

पहले एक किशोर को पकड़ा गया था। अब विशाल चौबे की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बताया कि रायगढ़ और उत्तर प्रदेश से शेष दो आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। SSP रजनेश सिंह ने कहा कि दोनों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भड़काने वालों पर कसेगा शिकंजा : SSP ने कहा कि घटना के बाद कुछ तथाकथित युवक मृतक के परिजनों से संपर्क कर उन्हें अवैध मांगों और धरना-प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जबकि शासन के नियमानुसार मृतक परिवार को मिलने वाली सहायता और मुआवजे की प्रक्रिया घटना वाले दिन से ही शुरू कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार इनमें से कई लोग पहले से गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपी हैं और जमानत पर बाहर हैं। पुलिस ऐसे सभी लोगों के खिलाफ साक्ष्य जुटा रही है और उनकी जमानत निरस्त कराने के लिए न्यायालय में आवेदन पेश किया जाएगा।

परिजनों से लगातार समझाइश, पत्नी भर्ती : पुलिस और जिला प्रशासन मृतक के परिजनों से लगातार संपर्क कर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और धरना समाप्त करने की अपील कर रहे हैं। इस बीच 18 जुलाई को मृतक नरेंद्र खांडे की पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। अनुभागीय अधिकारी के आदेश पर उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। चिकित्सकों की सलाह पर तहसीलदार और थाना प्रभारी सरकंडा की समझाइश के बाद उन्हें देर रात सिम्स अस्पताल, बिलासपुर में भर्ती कराया गया।

पुलिस और प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता से काम किया जा रहा है। साथ ही इस जघन्य हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और सख्त कारेवाई की जाएगी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश जारी है।

महादेव बेटिंग ऐप का अंतरराष्ट्रीय तिलिस्म टूटा
श्रीलंका में 56 सटोरिए हुए गिरफ्तार

20 गुजराती निकले सौरभ चंद्राकर-रवि उप्पल के प्यादे ; ओमान में फंसा 'किंगपिन'

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

छत्तीसगढ़ की भिलाई कैंप की गलियों से निकला और कभी "ऑनलाइन सट्टे का बादशाह" कहलाने वाला महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप का नेटवर्क अब अंतरराष्ट्रीय कानून के शिकंजे में है। श्रीलंका पुलिस की ताजा छापेमारी ने इस साम्राज्य की एक और कड़ी तोड़ दी है, जबकि इसका कथित किंगपिन सौरभ चंद्राकर ओमान की जेल में तीन देशों की कानूनी जंग का केंद्र बन चुका है।

हिक्काडुवा में बड़ा धड़-पकड़

श्रीलंका से मिले एक्सक्लूसिव इनपुट के मुताबिक 11 मई 2026 की देर रात हिक्काडुवा के डोडंडुवा इलाके में पुलिस ने एक होटल पर छापा मारकर 56 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें 35 भारतीय शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार इनमें 20 लोग गुजरात के हैं, जो फरार किंगपिन सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के नेटवर्क के लिए ऑनलाइन फ्रॉड ऑपरेट कर रहे थे।

मौके से पुलिस ने 119 मोबाइल, 25 कंप्यूटर, 7.5 लाख रुपये नकद और कई पासपोर्ट जब्त किए। सूत्र बताते हैं कि इन सटोरियों को छुड़ाने के लिए करीब 500 करोड़ रुपये का "सेटलमेंट" लगाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन श्रीलंकाई पुलिस ने सभी को होटल के भीतर कड़ी हिरासत में रखा है।

एक रात में 198 विदेशी दबोचे

यह छापा श्रीलंका के दक्षिणी तटीय इलाकों गाले, हिक्काडुवा और मिडिगामा में चलाए गए जॉइंट ऑपरेशन का हिस्सा था। इसी रात 198 विदेशी नागरिक पकड़े गए, जिनमें 173 भारतीय और 25 नेपाली शामिल थे। पुलिस के अनुसार सभी की उम्र 25 से 35 साल के बीच है।

आरोप है कि ये लोग टूरिस्ट वीजा पर आकर तय समय से ज्यादा रुके, अवैध रूप से नौकरी की और साइबर क्राइम में शामिल रहे। श्रीलंका सरकार ने इस बार साफ कर दिया है कि इन्हें तुरंत डिपोर्ट नहीं किया जाएगा, बल्कि साइबर क्राइम एक्ट के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

श्रीलंका बना नया 'स्कैम हब'

अधिकारियों का कहना है कि कंबोडिया, म्यांमार जैसे देशों में सख्ती बढ़ने के बाद ये अंतरराष्ट्रीय गिरोह श्रीलंका की शांत वादियों को अपना बेस बना रहे हैं। सिर्फ 2026 में अब तक 800 से ज्यादा विदेशी साइबर अपराध में गिरफ्तार हो चुके हैं। 5 मई तक 628, पिछले हफ्ते 250 चीनी और अब 11 मई के 198 को मिलाकर यह आंकड़ा 2025 के कुल मामलों से 50% ज्यादा है। मार्च से मई के बीच कोलंबो, तलांगमा और उत्तर-पश्चिम श्रीलंका में भी इसी तरह के छापों में सैकड़ों चीनी, म्यांमार और ताइवान के नागरिक पकड़े गए थे।

'एक अनार, सौ बीमार' : ओमान में फंसा सौरभ चंद्राकर

इस पूरे नेटवर्क की डोर जिस सौरभ चंद्राकर के हाथ में मानी जाती है, वह खुद इन दिनों ओमान में फंसा है। ओमान पुलिस ने उसे केस नंबर 82716/2026/1 के तहत फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट, जालसाजी और पहचान छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

क्या है महादेव ऐप का खेल

जांच एजेंसियों के अनुसार महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप सट्टे के लिए यूजर को पैनल देता था और कमीशन पर "फ्रेंचाइजी" चलवाता था। ईडी की पिछली चाजशीट में कहा गया था कि ऐप के जरिए हजारों करोड़ का अवैध सट्टा खिलाया गया और हवाला के जरिए पैसा दुबई, यूएई और अन्य देशों में भेजा गया। इसी नेटवर्क के लिए भारत, नेपाल, श्रीलंका और खाड़ी देशों में "कॉल सेंटर" और "ऑपरेशन टीम" बनाई गई थीं।

श्रीलंका का सख्त संदेश

पुलिस प्रवक्ता एफ. यू. वूटलर ने कहा कि अब विदेशी साइबर अपराधियों को डिपोर्ट कर पल्ला नहीं झाड़ा जाएगा। उन्हें श्रीलंका की अदालतों में मुकदमा झेलना होगा। भारत, चीन, वियतनाम, म्यांमार, फिलीपींस और कंबोडिया के नागरिकों की एक साथ गिरफ्तारी से यह साफ है कि यह कोई छिटपुट अपराध नहीं, बल्कि एक संगठित अंतरराष्ट्रीय गिरोह है। अब सबकी निगाहें मस्कट की अदालत पर हैं। फैसला ओमान करेगा कि सौरभ चंद्राकर पहले किस देश के कटघरे में खड़ा होगा। फिलहाल महादेव ऐप के इस "डिजिटल मायाजाल" पर अंतरराष्ट्रीय कानून का शिकंजा कस चुका है।

अब यहां कानूनी त्रिकोण बन गया है

1. भारत : ईडी और अन्य एजेंसियां मनी लॉन्ड्रिंग और महादेव ऐप मामले में उसे ओमान से प्रत्यर्पित कराना चाहती हैं। ईडी उसे पूरे नेटवर्क का मुख्य प्रमोटर मानती है।
2. यूएई : दुबई पब्लिक प्रॉसिक्यूशन ने मनी लॉन्ड्रिंग का अलग केस दर्ज किया है। रेड नोटिस नंबर अ-8856/6-2026 भी जारी है।
3. ओमान : स्थानीय कानून के तहत पासपोर्ट जालसाजी का मुकदमा पहले चलाने पर अड़ा है।

यानी आरोपी एक, और तीन देश हथकड़ी लेकर ओमान की अदालत के दरवाजे पर खड़े हैं।

भिलाई का जुनवानी मुक्तिधाम शमर्सार
बारिश में तिरपाल तानकर किया अंतिम संस्कार

5 घंटे में जली चिता, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद भी नहीं सुधरा सिस्टम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंसान जिंदा रहते बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसे, यह तो आम बात हो गई है। लेकिन मौत के बाद भी गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार न मिले, तो यह शासन-प्रशासन के मुंह पर करारा तमाचा है। शनिवार को भिलाई के जुनवानी-खम्हरिया मुक्तिधाम से ऐसी ही तस्वीर सामने आई जिसने सिस्टम की लापरवाही को नंगा कर दिया।

वार्ड 01 निवासी चरण सिंह यादव का 19 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया। शोकाकुल परिजन और मोहल्ले के लोग जब शव लेकर मुक्तिधाम पहुंचे तो वहां पहले से ही अव्यवस्था का आलम था। अंतिम संस्कार शुरू होते ही तेज बारिश शुरू हो गई। मुक्तिधाम में शेड न होने के कारण सूखी लकड़ियां और चिता पूरी भीग गई।

तिरपाल की ओट में विदाई

शेड नहीं था तो लोगों ने खुद इंतजाम किया। बाजार से तिरपाल मंगाई गई और अंतिम संस्कार में शामिल लोगों ने उसके चारों कोने पकड़कर चिता के ऊपर छाया बनाई। भारी बारिश के बीच भीगते हुए लोगों ने चिता को मुखाग्नि दी और अंतिम संस्कार पूरा किया।

बारिश की वजह से आग बार-बार बुझती रही। चिता को सुलगाए रखने के लिए परिजनों को 5 घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। जो संस्कार आमतौर पर डेढ़ घंटे में निपट जाता है, वह 5 घंटे में पूरा हो पाया।

वीडियो वायरल, लोग आक्रोशित

मौके पर मौजूद कुछ युवाओं ने इस बेबसी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे लोग बारिश में तिरपाल तानकर एक मृत आत्मा को विदाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही लोगों में आक्रोश है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश हवा में

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया था कि मुक्तिधामों में अंतिम संस्कार के लिए शेड, बैठने की जगह और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन ने भी सभी नगर निगमों को नोटिस जारी कर मुक्तिधामों की स्थिति और सुविधाओं की जानकारी मांगी थी।

इसके बावजूद वैशाली नगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले जुनवानी-खम्हरिया मुक्तिधाम में आज तक एक अदद शेड तक नहीं बन पाया। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले जनप्रतिनिधियों के दावों की हकीकत आज बारिश में तैरती नजर आई।

दिग्विजय क्लब में जमीन और दुकान बिक्री पर बड़ा सवाल

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बेची गई दुकानें? दस्तावेजों में विरोधाभास, RTI में भी गोलमाल जवाब

नरेंद्र डाकलिया / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी राजनांदगांव के प्रतिष्ठित 'दिग्विजय क्लब' में एक बड़े आर्थिक और प्रशासनिक घोटाले की आशंका ने तूल पकड़ लिया है। क्लब परिसर में हुए निर्माण और दुकानों की बिक्री को लेकर भूमि स्वामित्व और प्रबंध समिति के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन और पंजीयन विभाग को दस्तावेजी साक्ष्य सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सरकारी जमीन, निजी सौदे?

दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि जिस जमीन पर दिग्विजय क्लब के नाम से दुकानें और भवन बनाए गए, उसका मालिकाना हक 'जिला कलेक्टर, पदेन अध्यक्ष' के नाम दर्ज है। यानी जमीन सरकारी संपत्ति है और कलेक्टर इसके संरक्षक हैं।

लेकिन चौकाने वाली बात यह है कि क्लब के अपने बाय-लॉज में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि कलेक्टर क्लब के पदेन अध्यक्ष होंगे। इस स्थिति में जो संस्था जमीन की मालिक नहीं है, उसके द्वारा उस पर व्यवसायिक निर्माण कर दुकानें बेचना प्रथम दृष्टया अवैध प्रतीत होता है।

RTI में मिला शामक जवाब

आवेदक जितेंद्र जैन "जीतू" ने आरटीआई के तहत पूछा था कि कलेक्टर को पदेन अध्यक्ष बनाए जाने का कोई दस्तावेजी प्रमाण है या नहीं। राजस्व विभाग के जनसूचना अधिकारी ने न तो कोई प्रमाण दिया और न ही स्पष्ट जवाब। इसके बजाय क्लब द्वारा जारी एक पत्र की छायाप्रति भेज दी, जिसमें क्लब ने खुद को गैर-शासकीय/गैर-वित्त पोषित बताकर आरटीआई के दायरे से बाहर बताया है। यह जवाब कई सवाल खड़े करता है। जब जमीन सरकारी है और कलेक्टर संरक्षक हैं, तो क्लब आरटीआई से बाहर कैसे हो सकता है?

बिना अनुमति बेची गई दुकानें

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि क्लब की प्रबंध समिति ने जमीन के वास्तविक मालिक यानी जिला प्रशासन की जानकारी और अनुमति के बिना ही दुकानें बेच दीं। नियमों के मुताबिक सरकारी या संस्थागत संपत्ति का विक्रय पारदर्शी प्रक्रिया और सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति से ही हो सकता है, जिसका यहां कोई प्रमाण नहीं मिल रहा।

पंजीयन विभाग में शिकायत

इस अनियमितता को उजागर करते हुए नरेंद्र कुमार जैन ने दुर्ग संभाग के सहायक पंजीयक और राजनांदगांव के उप पंजीयक को आवेदन दिए हैं। सहायक पंजीयक से छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 की धारा 21 के तहत अनुमति, शुल्क और अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां मांगी गई हैं। सवाल यह है कि क्या संपत्ति बेचने से पहले अनुमति ली गई थी और शुल्क जमा किया गया था? वहीं उप पंजीयक से दुकानों के सभी पंजीकृत दस्तावेजों की प्रतियां मांगी गई हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विक्रेता को बिक्री का वैधानिक अधिकार था भी या नहीं।

जांच की मांग

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह मामला सिर्फ विधिक उल्लंघन नहीं, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति से जुड़ा है। आशंका है कि सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे अवैध रूप से बेचा जा रहा है और प्रशासनिक स्तर पर इसे नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने मामले की उच्च-स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो और सरकारी संपत्ति को बचाया जा सके। फिलहाल जिला प्रशासन और क्लब प्रबंधन की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

20
JULY
सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई
के अध्यक्ष
इंद्रजीत सिंह जी
छोटू भैया
को जन्मदिवस की
हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनायें।
महासचिव
कोषाध्यक्ष
उपाध्यक्ष
उपाध्यक्ष
उपाध्यक्ष
उपाध्यक्ष
सचिव
सचिव
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
विनीत : सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई

कबीरधाम में इसी सत्र से मेडिकल की 50 सीटों पर शुरू होगी पढ़ाई, 2027 तक तैयार होगा कॉलेज

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनके साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड, सामाजिक व धार्मिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं तथा ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पौधे लगाए। परिसर में फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इसमौके पर उन्होंने कहा निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज भवन जुलाई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि इसी शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू करने की तैयारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम

ने कहा कि मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। यह संस्थान शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आने वाले कई दशकों तक कबीरधाम की पहचान बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह प्रदेश के सबसे तेज गति से बन रहे मेडिकल कॉलेजों में शामिल है। विजय शर्मा ने कहा कि इसी शैक्षणिक सत्र से 50 सीटों के साथ मेडिकल कॉलेज की शुरुआत होने से जिले के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिलेगा। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं भी मजबूत होंगी। उन्होंने बताया कि जिले के चिकित्सक भी मेडिकल कॉलेज के सफल संचालन और विकास में सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

उप मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही हरीतिमा टीम की सराहना करते हुए कहा कि जिले को हराभरा बनाने का यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी इस पहल की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बोड़ला ब्लॉक के नेऊरगांव के युवाओं द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से चौक के सौंदर्यीकरण और महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना जैसे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही आँटो संघ, बस एवं ट्रक मालिक संघ सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के योगदान को भी सराहते हुए कहा कि जिले के विकास में जनसहभागिता लगातार बढ़ रही है।

'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले- छत्तीसगढ़ की संस्कृति को मिला राष्ट्रीय गौरव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की अनूठी रामनामी परंपरा पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री' का राष्ट्रीय सम्मान मिला है। इस उपलब्धि से प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने फिल्म के निर्देशक भरतबाला गणपति और पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनामी समाज की अनूठी परंपरा श्रद्धा, समर्पण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। इस डॉक्यूमेंट्री ने इस विरासत को प्रभावी ढंग से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, जनजातीय एवं लोक समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को समय पर आवास पूर्ण करने के निर्देश, जल संरक्षण पर दिया विशेष जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जनपद पंचायत साजा मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा शनिवार को ग्राम पंचायत दर्री में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चौपाल बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए हितग्राहियों को अपने आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक के दौरान वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता जल संरक्षण पर विशेष चर्चा की गई। सीईओ ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि "जल ही जीवन है", इसलिए प्रत्येक परिवार को जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर अपने घरों में सोखता गड्ढा (सोकपिट) एवं रेन वॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) प्रणाली का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन संरचनाओं से वर्षा जल का संरक्षण होगा, भू-जल स्तर में वृद्धि होगी तथा जल का अपव्यय भी रोका जा सकेगा। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सीईओ ने उपस्थित विकासखंड समन्वयक, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं पंचगणों को निर्देशित किया कि वे ग्रामीणों को जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं के निर्माण हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें, ताकि प्रत्येक घर में जल संरक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित हो सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के साथ-साथ 'वीबी राम जी' सहित विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। चौपाल बैठक में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने उत्कृष्ट कार्य के लिए मितानिनों को किया सम्मानित

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 13 मितानिनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मितानिनों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। कलेक्टर ने डोंगरगांव विकासखंड से शारदा सिन्हा, चितरेखा देवांगन, फलिता साहू एवं देवकी वर्मा, छुरिया विकासखंड से पुनम साहू, राधामनी एवं सुलोचना साहू, डोंगरगढ़ विकासखंड से दिलेश्वरी गौड़, कामता वर्मा एवं डोमन, घुमका से उत्तरा देवांगन, रजनी एवं मांगतीन को सम्मानित किया। मितानिनों द्वारा किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से संबंधित एचपीवी वैक्सीन, हाईरिस्क गर्भवती माता, संस्थागत प्रसव, शिशु एवं मातृ मृत्यु ,टीवी एवं कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत, कैंसर के मरीजों की पहचान, फाइलेरिया की दवा तथा स्कूलों में किशोरी बालिकाओं की समस्या समाधान हेतु की गई गतिविधियों में सहयोग, आयरन फोलिक एसिड की दवा, मानसिक मरीजों को मेडिकल कॉलेज ले जाना, शून्य से 5 वर्ष के कुपोषित बच्चों को कुपोषण मुक्त के लिए एनआरसी में भेजना,12 सप्ताह पहले गर्भवती माता का पंजीयन, पूर्ण टीकाकरण सहित अन्य कार्य में सराहनीय योगदान के लिए उत्कृष्ट मितानिन के रूप में चयन किया गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, डीपीएम संदीप ताम्रकार, अनिल श्रीवास्तव, डीसी सुकून दास मानिकपुरी सहित मितानिन प्रशिक्षक एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

जन्मदिवस पर विजय शर्मा ने किया पौधारोपण, हजारों लोगों के साथ दिया हरियाली का संदेश

मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ वृक्षारोपण महाअभियान-2026

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार को अपने जन्मदिवस पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान-2026 में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनके साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूल के विद्यार्थियों, स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, शहरवासियों और ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में पौधे लगाए। महाअभियान के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान में पौधारोपण करते हुए कहा कि कवर्धा में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा ऐतिहासिक कार्य होगा, जिसे लोग आने वाले सौ वर्षों तक शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए रखेगा। आज उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आज परिसर की चारों दिशाओं में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। यह प्रदेश के सबसे तेज गति से बन रहे मेडिकल कॉलेजों में से एक है। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास करने कहा।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी शैक्षणिक सत्र से मेडिकल कॉलेज का संचालन 50 सीटों के साथ प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिलेगा तथा स्वास्थ्य सेवाएं भी मजबूत होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कवर्धा के सभी चिकित्सक मेडिकल कॉलेज के सफल संचालन और विकास के लिए सहयोग देने को तत्पर हैं।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्य किया गया, उसी प्रकार समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण भी वर्ष 2027 जुलाई तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कार्य तय समय-सीमा और संकल्प के साथ किया जाए तो लक्ष्य अवश्य प्राप्त होता है।

जिले को हराभरा बनाने के लिए कार्य कर रही हरीतिमा टीम की सराहना करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने में टीम का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि आज समाज के हर वर्ग की सहभागिता इस अभियान में देखने को मिली है। यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का अभियान है। उन्होंने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जिले में युवाओं की सकारात्मक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने नेऊर गांव के युवाओं द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से चौक का सौंदर्यीकरण एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना जैसे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही आँटो संघ, बस एवं ट्रक मालिक संघ सहित विभिन्न संगठनों के योगदान को भी सराहा।

उन्होंने कहा कि कवर्धा में सियान सदन का निर्माण प्रारंभ हो चुका है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी सुविधा सिद्ध होगा। वृक्षारोपण महाअभियान में वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया। महाअभियान में व्यापारी संघ, अधिवक्ता संघ, बोल बम समिति, स्वामी विवेकानंद एकेडमी, प्राइवेट स्कूल संघ, प्रभात फेरी समूह, कार पेंटर संघ, राज मिस्त्री संघ, सेलून संघ, होटल व्यापारी संघ, रईस मिल संघ, नवजीवन रक्तदान समिति, लायंस क्लब, होटल व्यापारी संघ, गुड़ फैक्ट्री के संघ के प्रतिनिधि, यूथ क्लब, स्वच्छता दीदियां, सब्जी विक्रेता संघ, ठेकेदार संघ, समाज प्रमुख तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ. वीरेन्द्र साहू, नितेश अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व विधायक सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, लोकचंद साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त कर नवविवाहित दंपत्ति ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु पोर्टल आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं का लाभ अब नागरिकों को कम समय में, बिना अनावश्यक भागदौड़ के प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले की तहसील बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत किरीतपुर की निवासी श्रीमती प्रियंका, पिता नीलकंठ, जिनका विवाह बलौदाबाजार जिले की तहसील सिमगा अंतर्गत ग्राम नवागांव, पोस्ट कामता निवासी टिकेश्वर, पिता नारायण के साथ संपन्न हुआ है, ने विवाह उपरांत सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विवाह प्रमाण पत्र हेतु ऑनलाइन आवेदन किया।

आवेदन प्राप्त होने के पश्चात संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद निर्धारित समयावधि में विवाह प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। पूरी प्रक्रिया सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी एवं सुगमता के साथ संपन्न हुई, जिससे आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

नवविवाहित दंपत्ति ने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना बेहद आसान रहा। उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े और निर्धारित समय में विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उनका समय एवं आर्थिक व्यय दोनों की बचत हुई। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही यह डिजिटल सुविधा नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद अब दंपत्ति को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। इस प्रमाण पत्र का उपयोग महतारी वंदन योजना, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, बैंक खाते से संबंधित प्रक्रियाओं, संयुक्त बैंक खाता खोलने, बीमा सेवाओं, श्रम कार्ड, पासपोर्ट, नाम परिवर्तन, विभिन्न शासकीय अभिलेखों के अद्यतन सहित अन्य आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्यों में किया जा सकेगा। नवविवाहित दंपति ने विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन बेमेतरा, संबंधित अधिकारियों, ग्राम पंचायत तथा सेवा सेतु केन्द्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय सेवाओं को वास्तव में जनसुलभ बनाया है। यह व्यवस्था आम नागरिकों को पारदर्शी, त्वरित एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

वनांचल में गूँजी 'विजय' की खुशियाँ : बैगा आदिवासियों ने मनाया उपमुख्यमंत्री का जन्मदिन

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल में स्थित ग्राम पंचायत बाँटीपथरा का आश्रित ग्राम 'पड़ियाधरान'। यहाँ की हवाओं में इस बार एक अलग ही उत्साह था। मौका था प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और कवर्धा के लोकप्रिय विधायक विजय शर्मा का जन्मदिन, जिसे यहाँ के विशेष संरक्षित जनजाति बैगा समुदाय ने अपनी माटी की सुगंध और अटूट प्रेम के साथ 'इको-फ्रेंडली' रूप में मनाकर मिसाल पेश की।

प्रकृति की गोद में सजा उत्सव

यह जन्मदिन किसी दिखावे का नहीं, बल्कि सादगी और अपनत्व का संगम था। गाँव के लोगों ने एक दिन पहले से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। सुबह होते ही गाँव के महिला-पुरुष और बच्चे एकजुट होकर जंगलों से महुल के पत्ते चुनकर लाए। अपने हाथों से दोना-पतरी बनाई और चूल्हे पर पारंपरिक विधि से खीर-पुड़ी के पकवान तैयार किए। जंगल की हरियाली के बीच, इन ग्रामीणों ने जिस आत्मीयता से अपने जन-प्रतिनिधि के लिए मंगल कामनाएं कीं, वह दृश्य वाकई अलौकिक और हृदय को छू लेने वाला था।

विकास और विश्वास की कहानी

इस उत्सव में शामिल युवा समाजसेवी चंद्रकांत यादव और उनकी ग्रामोदय संस्था की टीम ने भी उपमुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। ग्रामीणों ने चर्चा की कि कैसे विजय शर्मा के नेतृत्व में उनके सपनों को पंख मिल रहे हैं। पड़ियाधरान गाँव के लिए यह दिन सिर्फ एक जन्मदिन नहीं था, बल्कि विकास के उन कदमों का जश्न था जो उनके जीवन को बदल रहे हैं। गाँव के 30 परिवारों के लिए यह खुशी दोगुनी थी, क्योंकि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत उन सभी 30 परिवारों को पक्के आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। उन कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों के लिए, जिनके अब अपने पक्के मकान बन रहे हैं, विजय शर्मा का जन्मदिन उनके घर के आंगन में खुशहाली का उत्सव मनाने जैसा था।

जन-जन की भावनाएं

इस ऐतिहासिक पल में ग्रामीणों ने कहा, "विजय भैया हमारे लिए सिर्फ एक नेता नहीं, हमारे सुख-दुख के साथी हैं। उनके दीर्घायु होने की कामना हमने सच्चे मन से प्रकृति के सानिध्य में की है।" प्रकृति के प्रति प्रेम और अपने जन-प्रतिनिधि के प्रति श्रद्धा का यह अनूठा संगम कवर्धा की इस छोटी सी बस्ती से पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरक संदेश दे गया।

जनसुनवाई आपसी समझौते से 81.98 लाख रुपये के अवार्ड पारित, त्वरित और सुलभ न्याय मिला

बेमेतरा जिला में विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में शनिवार को जिला न्यायालय परिसर, बेमेतरा में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक अनादरण/चेक बाउंस) से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु "स्पेशल लोक अदालत" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से आयोजित राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर रहे। इस अवसर पर जिला न्यायालय बेमेतरा से प्रधान जिला एवं सत्र

न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास सहित न्यायिक अधिकारीगण वर्चुअली समारोह से जुड़े।

उद्घाटन के पश्चात जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास ने दीप प्रज्वलित कर स्पेशल लोक अदालत का शुभारंभ किया तथा उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों को अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया। स्पेशल लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के कुल 12 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया, जिनमें 81 लाख 98 हजार 960 रुपये की राशि के अवार्ड पारित किए गए। चेक अनादरण से संबंधित लंबित मामलों का आपसी समझौते, सौहार्दपूर्ण वातावरण तथा सरल, त्वरित एवं कम खर्चीली प्रक्रिया के माध्यम से निराकरण किया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल वॉलेंटियर्स तथा पक्षकारों की सक्रिय सहभागिता रही।

खण्डपीठ क्रमांक-01 के पीठासीन अधिकारी देवेंद्र कुमार, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बेमेतरा के समक्ष लंबित चेक बाउंस से संबंधित अपील प्रकरण क्रमांक 95/2024 का भी स्पेशल लोक अदालत में निराकरण किया गया। विचारण न्यायालय द्वारा पूर्व में अभियुक्त को 11.50 लाख रुपये प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया गया था तथा राशि का भुगतान नहीं करने पर तीन माह के साधारण कारावास का दंड भी निर्धारित किया गया था।

स्पेशल लोक अदालत में दोनों पक्षों को समझाइश देने के बाद आपसी सहमति से 11.50 लाख रुपये के प्रतिकर के स्थान पर 2.50 लाख रुपये में राजीनामा हुआ, जिसके आधार पर प्रकरण का सफलतापूर्वक निराकरण कर अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार दो अन्य अपील प्रकरणों का भी आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया।

खण्डपीठ क्रमांक-02 के समक्ष लंबित प्रकरण क्रमांक 3922/2022 में परिवादी एवं अभियुक्त के बीच परिचय होने के कारण अभियुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक कांटा मशीन एवं कपड़ा दुकान हेतु सामान खरीदने के नाम पर परिवादी से नगद राशि उधार ली थी। निर्धारित अवधि में राशि वापस नहीं करने पर परिवादी द्वारा प्रस्तुत चेक बैंक से अनादरित हो गया, जिसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा।

स्पेशल लोक अदालत में पीठासीन अधिकारी एवं सुलहकर्ताओं की समझाइश पर दोनों पक्षों ने बिना किसी दबाव या भय के स्वतंत्र सहमति से राजीनामा किया, जिसके आधार पर विवाद का सौहार्दपूर्ण ढंग से निराकरण कर प्रकरण समाप्त किया गया। स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ कि आपसी सहमति एवं संवाद के जरिए लंबित विवादों का त्वरित, सरल एवं प्रभावी समाधान संभव है, जिससे पक्षकारों को समय, धन और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताओं से राहत मिलती है।

संपादकीय

फोकस कमाई पर है, समस्या के समाधान पर नहीं

हर संस्था के अपने बहुत खर्चे होते हैं। इसलिए पैसों की जरूरत तो हमेशा रहती है। पैसों की जरूरत रहती है इसलिए पैसे कहां आएंगे और आ सकते हैं, इस पर विचार किया जाता रहता है और उपाय भी किए जाते रहते हैं। रायपुर नगर निगम को भी पैसों की बहुत जरूरत रहती है, इसलिए वह भी निगम के आय बढ़ाने पुराने उपायों पर अमल करती है और नए उपाय सोचती रहती है।इस बार रायपुर नगर निगम ने अवैध नल कनेक्शनों को वैध करके पैसा कमाने को सोचा। इस बार सोचा गया कि निगम क्षेत्र में 90 हजार अवैध कनेक्शन है,उनको वैध किया जाता है तो निगम को अच्छी खासी कमाई हो सकती है।इसके लिए निगम के पहले प्रस्ताव में बताया गया कि किसी का नल कनेक्शन यदि अवैध और वह वैध कराना चाहता है तो वह निगम को 20 हजार रुपए देकर अपना नल कनेक्शन वैध करा सकता है।

निगम ने सोचा था अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का वह लोगों को प्रस्ताव देगी तो 90 हजार अवैध नल कनेक्शन निगम क्षेत्र मे हैं तो अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए लोगों की भीड़ निगम में लग जाएगी और निगम को एक कनेक्शन का 20 हजार रुपए मिलेगा तो हजारों कनेक्शन का तो बहुत पैसा मिलेगा। निगम ने अपने प्रस्ताव में बताया था कि आवासीय अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय समय सीमा के भीतर 5 हजार रुपए नियमितीकरण शुल्क और 15882 रुपए वैध कनेक्शन शुल्क यानी कुल 20882 रुपए लोगों को देना होगा। इसके साथ ही लोगों को आगाह भी किया गया था कि यदि तय समय सीमा के भीतर लोग अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध नहीं कराते हैं तो उनका नल कनेक्शन काटा जाएगा। तय समय सीमा बीत गई है और लगता है कि निगम ने जितनी उम्मीद की थी लोग बड़ी संख्या में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए आएंगे. उससे बहुत कम लोग ही अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने निगम पहुंचे है यानी निगम ने अवैध नल कनेक्शन को वैध करने पर जितनी कमाई होने की उम्मीद की थी, उतनी कमाई तय समय सीमा नहीं हुई है।

निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के पहले प्रस्ताव पर लोगों की भीड़ निगम में नहीं जुटी और अपेक्षित कमाई नहीं हुई तो कमाई के लिए निगम ने अब अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिये दूसरा प्रस्ताव दिया है। दूसरे प्रस्ताव में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए तय राशि की जगह संबंधित क्षेत्र के अनुसार लागू नए नल कनेक्शन का शुल्क लेने का फैसला किया गया है।यह लगभग 10 हजार रुपए होगा। इसके लिए निगम में 16 जुलाई से 15 अक्टूबर तक आवेदन दिया जा सकता है। यानी निगम ने लोगों को अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए और समय दिया है तथा पहले से कम पैसे में अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का एक और मौका दिया है। इससे लगता तो यह है कि निगम चाहता है कि जितने लोगों को अवैध नल कनेक्शन हैं, वह सब वैध करा लें लेकिन हकीकत में निगम को पैसों की जरूरत है और अवैध नल कनेक्शन के वैध होने पर ही कमाई हो सकती है, इसलिए निगम ने पैसे भी कम कर दिये और समय भी बहुत दिया है ताकि जो लोग पिछली बार अवैध नल कनेक्शन को वैध नही करा पाएं निगम को कम पैसे देकर करा लें।

ऐसा नहीं है कि निगम ने लोगों को अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का मौका दिया है तो निगम क्षेत्र में अवैध नल कनेक्शन बंद हो जाएंगे। निगम के कुछ ठेकेदार अवैध नल कनेक्शन दिलाना बंद कर देंगे या लोग अवैध नल कनेक्शन लेना बंद कर देंगे। अवैध नल कनेक्शन तो हमेशा होता रहता है और हमेशा होता रहेगा। क्योंकि इससे निगम के कुछ लोगों व ठेकेदारों की कमाई होती है। बताया जाता है कि एक अवैध नल कनेक्शन का 14 से 15 हजार रुपए लिया जाता है। निगम में इस गोरखधंधे को अब तक कोई रोक नहीं पाया यानी महापौर आते जाते हैं लेकिन अवैध नल कनेक्शन का धंधा चलता रहता है। जब किसी महापौर को लगता है कि अवैध कनेक्शन बहुत हो गए है उनको वैध करके कमाई की जा सकती है तो वह कमाई के लिए अवैध नल कनेक्शन को वैध करने का मौका देता है।

महापौर कोई भी हो राजधानी के 20 से ज्यादा वार्डों में पानी की समस्या रहती है।इस समस्या को कोई महापौर हल नहीं कर पाया है।ऐसा भी नहीं है कि निगम क्षेत्र के अवैध नल कनेक्शन वैध हो जाने से शहर वार्डों और टेल एरिया में पानी की समस्या समाप्त हो जाएगी।गर्मी के मौसम में पानी की समस्या तो जिन वार्डों में आज है आगे भी रह सकती है।क्योंकि नलो को नियमितीकरण कमाई के लिये किया जा रहा है।इस बार की गर्मी का मौसम खत्म हो गया और अब मान लिया जाएगा कहीं पानी की कोई समस्या नहीं है।अगली गर्मी आने पर पानी की समस्या पर फिर से विचार किया जाएगा। अवैध कनेक्शन के कारण पानी की जो समस्या होती है वह नलों के वैध हो जाने पर भी बनी रहेंगी क्योंकि टंकी की क्षमता से ज्यादा नल कनेक्सशन हो जाते हैं तो पानी का प्रेशर कहीं कहीं कम हो जाता है और पानी कम आता है और नहीं भी आता है। टंकी की क्षमता तो बढ़ाई नहीं जा सकती। वैध नलों की संख्या बढ़ेगी तो पानी की समस्या तो वैध नल कनेक्शन के बाद भी बनी रह सकती है।

युद्ध, सूखा और महंगाई : संकटों के चौराहे पर खड़ा भारत

नृपेन्द्र अभिषेक

कुछ दिन पहले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा महंगाई पर जारी ताजा आंकड़ों ने आर्थिक चुनौती बढ़ा दी है। आरबीआई के अनुसार जून माह में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है और यह पहली बार है जब जनवरी 2025 के बाद महंगाई आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर निकल गई है। इसी समय मौसम विभाग की ओर से मानसून और वर्षा को लेकर बनी अनिश्चितता तथा पश्चिम एशिया में फिर से गहराता युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नए संकट के बादल मंडरा रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि की आशंका भी लगातार बनी हुई है। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज महंगाई केवल घरेलू आर्थिक समस्या नहीं रह गई है, बल्कि वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों, जलवायु परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों का संयुक्त परिणाम बन चुकी है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह दोहरा संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यहां बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल से पूरा होता है। इस स्थिति में जरूरत है कि महंगाई को सिर्फ डेटा न देख कर उसके आर्थिक, समाजिक और मानवीय प्रभावों को भी देखा जाए।

महंगाई के ताजा संकेत और संदेश

महंगाई एक ऐसा संकेत है जो कि आम लोगों से सीधे तौर पर जुड़ा है, इसीलिए महंगाई के बढ़ते ही सरकार की भी चिंताएं बढ़ने लगती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ने लगती हैं तो सबसे पहले घर का बजट प्रभावित होता है। आज यही स्थिति भारत में दिखाई दे रही है। खुदरा महंगाई का चार प्रतिशत की सीमा को पार करना केवल सांख्यिकीय घटना नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि बाजार में कीमतों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। खाद्य वस्तुओं से लेकर परिवहन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं तक अधिकांश क्षेत्रों में लागत बढ़ने लगी है। इससे उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति कमजोर होती है और बचत पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो आर्थिक विकास की गति भी धीमी पड़ सकती है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले कमर्चारियों, मजदूरों और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ती जितनी तेजी से वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं। यह भी एक वजह है कि महंगाई केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक चुनौती भी बन जाती है। यह स्थिति इशारा कर रही है कि आने वाले समय में युद्ध और मौसम दोनों प्रतिकूल रहे तो कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

युद्ध से बढ़ती वैश्विक आर्थिक बेचैनी

पिछ्ले कुछ महीनों से पच्छिम एशिया अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, जिसने पूरी दुनिया के न सिर्फ लोगों को बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पीछे धकेल रहा है। युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और निवेश के वातावरण पर भी पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की आपूर्ति होती है। यदि यहां किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ जाती हैं। भारत अपनी तेल आवश्यकता का अधिकांश भाग आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी देश की अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालती है। परिवहन महंगा होता है, उद्योगों की लागत बढ़ती है और अंततः हर वस्तु की कीमत पर उसका असर दिखाई देता है। युद्ध विदेशी निवेशकों का विश्वास भी कमजोर करता है, जिससे पूंजी निवेश में कमी आती है। इस प्रकार युद्ध केवल सैनिक मोर्चे पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि उसका असर आम नागरिक की रसोई, बाजार और रोजगार तक पहुंच जाता है। यही कारण है कि वैश्विक शांति आज आर्थिक स्थिरता की भी सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

सूखे की आशंका और कृषि संकट

भारत की अर्थव्यवस्था की जड़ें आज भी कृषि से गहराई से जुड़ी हुई हैं। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। यदि मानसून सामान्य रहता है तो कृषि उत्पादन अच्छा होता है और खाद्यान्न की कीमतें नियंत्रित रहती हैं। लेकिन इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव और वर्षा को लेकर बनी अनिश्चितता ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। यदि वर्षा सामान्य से कम होती है तो धान, दालें, तिलहन, सब्जियां और फलों का उत्पादन प्रभावित होगा। उत्पादन घटने का सीधा परिणाम बाजार में वस्तुओं की कमी और कीमतों में वृद्धि के रूप में सामने आएगा। सूखा केवल खेतों को ही नहीं सुखाता, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की पूरी धारा को प्रभावित करता है। खेती से जुड़ी आय घटने पर ग्रामीण बाजारों में खरीदारी कम होती है, छोटे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होता है और मजदूरों के लिए रोजगार के अवसर भी घटने लगते हैं। ऐसे समय में बड़ी संख्या में श्रमिक शहरों की ओर पलायन करते हैं, जबकि निर्माण क्षेत्र में मंदी होने पर उन्हें वहां भी पर्याप्त रोजगार नहीं मिल पाता। इस प्रकार सूखा केवल कृषि संकट नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले सकता है।

आम जनता पर बढ़ता आर्थिक बोझ

महंगाई का सबसे गहरा असर उस व्यक्ति पर पड़ता है जिसकी आय सीमित होती है। मध्यम वर्ग का मासिक बजट सबसे पहले बिगड़ता है और गरीब परिवारों के लिए दो समय की रोटी जुटाना भी कठिन हो जाता है। आलू, प्याज, टमाटर, दाल, दूध और खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दाम सीधे रसोई का संतुलन बिगाड़ देते हैं। इसके साथ ही परिवहन महंगा होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं की लागत भी बढ़ जाती है। शहरों में रहने वाले परिवारों को किराया, बिजली और ईंधन पर अधिक खर्च करना पड़ता है, जबकि गांवों में खेती की लागत बढ़ने से किसानों की आय और व्यय के बीच का अंतर बढ़ जाता है। महंगाई बचत की क्षमता को कम करती है और परिवारों को भविष्य की योजनाओं में कटौती करनी पड़ती है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और छोटे निवेश जैसी योजनाएं प्रभावित होने लगती हैं। धीरे-धीरे उपभोग घटता है और बाजार की मांग कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि महंगाई केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रहती, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की गति को प्रभावित करने लगती है।

आरबीआई और सरकार की कठिन परीक्षा

ऐसे समय में भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार दोनों के सामने संतुलित नीति अपनाने की चुनौती होती है। यदि महंगाई लगातार बढ़ती है तो आरबीआई को रेपो दर बढ़ानी पड़ सकती है। इससे बैंकों के लिए धन महंगा हो जाता है और वे ऋण पर ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। परिणामस्वरूप घर खरीदना, वाहन लेना या उद्योग स्थापित करना अधिक महंगा हो जाता है। इससे निवेश और खपत दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर यदि ब्याज दरें नहीं बढ़ाई जातीं तो महंगाई और अधिक बढ़ सकती है। इसलिए आरबीआई को मूल्य स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच अत्यंत सावधानी से संतुलन बनाना पड़ता है। सरकार की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उसे आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होती है, जमाखोरी पर नियंत्रण रखना होता है और गरीब वर्ग को राहत देने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना पड़ता है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण क्षमता सुधारने और परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने जैसे कदम भी समान रूप से आवश्यक हैं। यही समन्वित प्रयास देश को आर्थिक अस्थिरता से बचा सकते हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए क्या हो उपाय?

फिलहाल जो संकट आया है उससे निपटने के लिए सिर्फ तात्कालिक निदान ही पर्याप्त नहीं होंगे। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना विकसित करनी होगी जो वैश्विक संकटों का सामना करने में सक्षम हो। ऊर्जा के क्षेत्र में सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक स्रोतों को तेजी से बढ़ावा देना समय की मांग है, जिससे कि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके। कृषि में आधुनिक तकनीक, जल संरक्षण, सूखा-रोधी फसलें और बेहतर सिंचाई व्यवस्था को बढ़ावा देना भी अनिवार्य है। मजबूत भंडारण और आपूर्ति तंत्र खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों का विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी आवश्यक है, ताकि संकट के समय पलायन कम हो। इसी के साथ ही डिजिटल बाजार, पारदर्शी व्यापार व्यवस्था और प्रभावी निगरानी से कृत्रिम महंगाई पर अंकुश लगाया जा सकता है। भारत को अपनी आर्थिक नीतियों में जलवायु परिवर्तन, वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा को समान महत्व देना होगा। यही दूरदृष्टि भविष्य के संकटों से देश को अधिक सुरक्षित बनाएगी।

संतुलित नीतियों से मजबूत होगा भारत

इतिहास गवाह है कि मुश्किल परिस्थितियां केवल चुनौतियां ही नहीं लातीं, बल्कि सुधार और आत्मनिर्भरता के अवसर भी प्रदान करती हैं। आज भारत जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें युद्ध, सूखे और महंगाई का त्रिकोण निश्चित रूप से चिंता का विषय है, लेकिन यह देश की नीति, योजना और सामूहिक क्षमता की भी परीक्षा है। अगर सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, उद्योग, किसान और समाज मिलकर दूरदर्शी सोच के साथ कार्य करें तो इस संकट को अवसर में बदला जा सकता है। मजबूत कृषि, आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था, पारदर्शी बाजार, प्रभावी आपूर्ति तंत्र और संतुलित मौद्रिक नीति मिलकर ही महंगाई पर स्थायी नियंत्रण स्थापित कर सकती है। आर्थिक विकास तभी सफल होगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसकी थाली, जेब तथा भविष्य सुरक्षित रहे। इसलिए आवश्यकता केवल महंगाई के आंकड़ों को नियंत्रित करने की नहीं, बल्कि ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने की है जो वैश्विक युद्ध, जलवायु परिवर्तन और आपूर्ति संकट जैसी चुनौतियों के बीच भी मजबूती से आगे बढ़ सके। यही भारत की आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और समृद्ध भविष्य की वास्तविक आधारशिला होगी।

बदलते हिमालय के बीच बदलनी होगी तीथर्यात्रा की संस्कृति

अमरनाथ यात्रा का भारी वर्षा और लगातार भूस्खलन के कारण थम जाना महज प्रशासनिक विवशता नहीं, बल्कि हिमालय का वह स्पष्ट संदेश है जिसे अब अनसुना करने की गुंजाइश नहीं बची। सदियों से श्रद्धालु बर्फ, दुर्गम चढ़ाइयों और कठिन रास्तों को तपस्या की तरह पार कर बाबा बर्फानी के दरबार तक पहुँचते रहे हैं, लेकिन इस बार मार्ग किसी सरकारी आदेश से नहीं, स्वयं प्रकृति ने बंद किया है।यह ठहराव आस्था पर विराम नहीं, उसकी रक्षा का आग्रह है।असली प्रश्न यात्रा दोबारा कब शुरू होगी, यह नहीं; बल्कि यह है कि क्या हम जलवायु की लगातार मिल रही चेतावनियों को अब भी संयोग मानते रहेंगे? जब हिमालय स्वयं अपनी सीमाएँ बता रहा हो, तब उससे टकराना नहीं, उसके संकेतों को समझना ही बुद्धिमानी है। अमरनाथ यात्रा का यह विराम स्पष्ट कर रहा है कि अब तीथर्यात्रा और जलवायु को अलग-अलग खाँचों में रखकर नहीं देखा जा सकता।

अमरनाथ केवल एक गुफा नहीं, भारतीय आस्था की जीवंत चेतना है। लेकिन पिछले दस-पंद्रह वर्षों में हिमालय का स्वभाव तेजी से बदला है। ग्लेशियर सिमट रहे हैं, वर्षा अनिश्चित होती जा रही है और भूस्खलन अब अपवाद नहीं, नई वास्तविकता है। भारतीय मौसम विभाग तथा वैश्विक जलवायु अध्ययनों के अनुसार हिमालयी क्षेत्र का तापमान राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2026 की घटना पहली चेतावनी नहीं; 2019 और 2022 में भी प्रकृति ने यात्रा के दौरान इसी तरह अपना संकेत दिया था। हर बार यात्रा रुकती है तो केवल श्रद्धालुओं की भावनाएँ ही नहीं, बल्कि घोड़े वालों, पिट्ठुओं, दुकानदारों, होटल व्यवसायियों और स्थानीय परिवहन से जुड़े हजारों परिवारों की आजीविका भी थम जाती है। स्पष्ट है, यह संकट केवल धार्मिक नहीं, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन की भी चुनौती है।

सच यह है कि तीथर्यात्रा का अर्थ अब केवल श्रद्धा की पदयात्रा नहीं रह गया। वह पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच नाजुक संतुलन का विषय बन चुकी है। हिमालय जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक साथ लाखों श्रद्धालुओं का बढ़ता दबाव प्रकृति की वह कीमत वसूल रहा है, जिसका अनुमान लंबे समय तक नहीं लगाया गया। यात्रा मार्गों पर फैलता प्लास्टिक कचरा, मानवीय अपशिष्ट, अस्थायी निर्माण और वाहनों का धुआँ पर्यावरण की सहनशक्ति को लगातार क्षीण कर रहे हैं। हिमालयी पर्यावरण अध्ययन संस्थानों ने भी मार्गों पर कई गुना बढ़े कचरे को गंभीर चेतावनी माना है। परिणाम सामने है—ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियाँ अधिक गाद ढो रही हैं और वर्षा का स्वभाव अप्रत्याशित होता जा रहा है। प्रकृति का संतुलन बिगड़ते ही वही मार्ग, जो आस्था की राह थे, पलभर में संकट की राह बन जाते हैं।

समाधान अब केवल सद्भावना से नहीं, वैज्ञानिक दूरदृष्टि से निकलेगा। सबसे पहले यात्रा की अवधि और प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या का निर्धारण मौसमीय जोखिम और वैज्ञानिक आकलन के आधार पर किया जाए। जलवायु मॉडलिंग संकेत देती है कि जुलाई-अगस्त के कुछ अत्यधिक संवेदनशील सप्ताह यात्रा-मुक्त रखे जा सकते हैं। इससे हिमालय पर पड़ने वाला दबाव घटेगा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ऐसे वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएँ जिनसे पर्यावरण पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़े। हेलीकॉप्टर सेवा बनी रहे, लेकिन सीमित दायरे में और प्राथमिकता केवल बुजुर्गों, दिव्यांगों तथा विशेष परिस्थितियों वाले श्रद्धालुओं को मिले। तीथर्यात्रा का उद्देश्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, संतुलन और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व होना चाहिए।

तीथर्यात्रा का हर कदम पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का भी संकल्प बने। प्रत्येक श्रद्धालु के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो, प्लास्टिक पर कठोर नियंत्रण लागू किया जाए और साथ ले जाया गया कचरा वापस लाना यात्रा का अनिवार्य नियम बने। डिजिटल ट्रैकिंग से भीड़ का वास्तविक समय में प्रबंधन हो, ताकि किसी भी मार्ग पर क्षमता से अधिक दबाव न पड़े। इससे दुर्घटनाओं की आशंका घटेगी और बदलते मौसम के अनुरूप प्रशासन समय रहते निर्णय ले सकेगा। तकनीक यदि भीड़ जुटाने का साधन बन सकती है, तो प्रकृति की रक्षा और तीथर्यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने का माध्यम भी बन सकती है। इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए अब ह्लक्लाइमेट रेसिलिएंट तीथर्यात्रा नीतिह्व केवल एक विकल्प नहीं, समय की अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, धार्मिक गुरु, पर्यावरण विशेषज्ञ, मौसम वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निणर्यों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा।

मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है।

इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए।

संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है।

किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ह्लोक का मंदिरह्व है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है।

इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो। जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों एवं उद्देश्यों को लेकर चुने जाते हैं, वे उन मुद्दों एवं उद्देश्यों पर खरे साबित हो। देश की जनता चाहती है कि संसद संकल्प का मंच बने, संग्राम का नहीं। सरकार विपक्ष की बात सुने, विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाए, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित और जनकल्याण ही रहे। यदि इस मानसून सत्र में राजनीतिक कटुता के स्थान पर नीति आधारित विमर्श, आरोपों के स्थान पर उत्तरदायित्व और गतिरोध के स्थान पर समाधान का वातावरण बनता है, तो यह केवल संसदीय सफलता नहीं होगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय भी सिद्ध होगा। संसद तब ही वास्तव में लोकतंत्र का मंदिर कहलाएगी, जब उसकी प्रत्येक आवाज देश के अंतिम व्यक्ति की आशाओं और अपेक्षाओं को अभिव्यक्ति दे सके।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

यज्ञवल्क्य मिश्रा

ये पुड़िया कौन छोड़ा

पुड़िया छोड़ने वाले भी अजब गजब कमाल करते हैं। जैसे कि,यह पुड़िया छोड़ी गई है कि,एक मसले पर राज्य के सबसे बड़े साहब ने एक महकमे के मुख्यालय को कड़ा खर्रा लिख दिया है। अफवाह में दर्ज है कि,मसला रिक्त पदों की संख्या का था। इस मामले में दिल्ली को वीसी से जानकारी देनी थी। बवाल गफलत यह हुई कि,मुख्य अधिकारी जिन्हें रिक्त पदों की जानकारी देते हुए आगामी रुपरेखा सुनिश्चित करनी थी उनके अलावा जो तीन अफसर चर्चा और जानकारी देने के लिए मौजूद थे तीनों के पास रिक्त पदों की संख्या अलग अलग थी। मसला ह्लबेइज़्ज़ती खराबह्व होने का हो लिया तो जाहिर है चिट्ठी पत्री तो लिखी ही जाएगी। सो लिखी गई।

जरा आहिस्ते चल

रायपुर कमिश्नरेट में स्टेट कैडर के तीन अफसरों को डीसीपी बनाए जाने पर आईपीएस साहबान में जोर ग़ुस्सा है। लेकिन एक मसला ऐसा है जिस पर आईपीएस या कि आर आर वर्ग को नजरों में रखना चाहिए। ये मसला समझने के लिए बेहतर है कि साहब लोग पुलिस कमिश्नरेट का नोटिफिकेशन देखें। नोटिफिकेशन में साफ लिखा है कि,डीसीपी का पद सेंट्रल पे लेवल 12 ग्रेड वाला अफसर होगा। अभी तक जो आईपीएस साहबान इन पदों को सुशोभित कर रहे थे वे सेंट्रल पे लेवल 11 के अफसर थे। शेष जो दो आर आर साहब हैं वे भी इसी लेवल याने सेंट्रल पे लेवल 11 के अफसर हैं।जबकि जिन तीन स्टेट कैडर के अफसरों को इस समय डीसीपी बनाया गया है वे पात्रता श्रेणी से एक पायदान उपर हैं। याने कि सेंट्रल पे लेवल 13 ग्रेड के। अब स्टेट कैडर यदि मुस्कुराते हुए यह कह दे कि,साहब नोटिफिकेशन के हिसाब से हमारे साथ गलत हो रहा था तो क्या ही गलत कहेगा। आर आर साहबान को वह गीत याद रखना चाहिए जिसके बोल हैं –'जरा आहिस्ते चल।'

बबलू भईया का स्पांटेनियस रिस्पॉंस

प्रत्युतपन्न मति के मानक हैं तो वह हैं अपने बबलू भैया। अविश्वास मत पर सीएम साहब यह बोल गए कि कॉंग्रेस शासनकाल में राजा गद्दी बचाने और महाराजा राज लेने के लिए ढाई साल लड़ते रह गए। इस पर बबलू भईया खड़े हुए और बोले –ह्लसिंहदेव महाराजा साहब हैं पर मैं राजा नहीं हूँ।ह्व इस पर सीएम साहब ने कहा– ह्लमुख्यमंत्री लोकतंत्र में राजा ही होता है।ह्व बस यह बात निकली और बबलू भईया का स्पांटेनियस रिस्पांस आया। बबलू भईया ने झट से पूछा –ह्लतो आप खुद को राजा समझते हैं ?ह्व सीएम साहब भाँप गए कि डगर बेहद फिसलन भरी है तो तुरंत आगे निकल गए। लेकिन बबलू भईया का स्पांटेनियस आंसर सबके जेहन में कुछ ऐसा छाया कि लोग देर तक इस गुगली पर मुस्कुराते रहे।

गजब का मैसेज

कॉंग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।होना यह था कि, बीजेपी यह बताती है कि आपका फलाना आरोप गलत है ढिमाका आरोप फर्जी है ये आँकड़े देखिए ये हमारा काम देखिए। लेकिन रात ढाई बजे तक अविश्वास प्रस्ताव की बहस देखने वालों ने जो भी सत्ता पक्ष याने बीजेपी के धुरंधरों के भाषण बयानों को सुना उसमें से अगर विशेषतः अजय चंद्राकर और इक्का दुक्का किसी और को जोड़ लें तो बाकी जितने माननीय थे उन सबका भाषण पूर्ववर्ती सरकार याने भूपेश बघेल पर केंद्रित ही पाया। पूरे अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जब जब भूपेश का जिक्र आया,सदन में बैठे भूपेश बघेल मुस्कुराते रहे। लेकिन मौज दोपहर को ली गई। व्हाट्सएप पर मैसेज जारी हुए – ह्लसत्ताधारी दल बीजेपी ने विपक्ष के भूपेश बघेल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया।ह्व व्हाट्सएप पर तैरने वाले कुछ मैसेज तो और जहर भरे थे। संगठन के भाई साहब लोगों को पूरे टाईम बैठना था तो उन्हे समझ आता कि आखिर व्हाट्सएप पर ऐसे मैसेज क्यों चल पड़े। वैसे एक मसला ये भी है कि,सत्ता पक्ष के विधायक अगर सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएँ भी तो क्या बताएँगे। जो कुछ यदि है भी तो वो दो या तीन वक्ताओं में ही थैंक्यू हो लेतीं तो फिर भूपेश बघेल और भूपेश सरकार के बारे में बोलना मजबूरी ही तो थी।

ये सटीक बात

विधानसभा में सत्ता पक्ष का या कि ट्रेजरी बेंच का यह दिलचस्प रुटीन है कि जब जवाब ना सूझे या सवाल में उलझें तो एक उत्तर जरुर टिका दो,और वह उत्तर है – 'देखिए पिछली सरकार में..।' लेकिन अब यह स्टाईल बदलना पड़ेगा क्योंकि विपक्ष और बेचारे मैंगो पीपुल के साथ साथ सत्ता पक्ष के विधायक भी इस जवाब से तंग आ गए हैं। बिलासपुर के राशन कार्ड कांड में चर्चा के दौरान जब मिनिस्टर सर के जवाब उसी चिर परिचित अंदाज में आए तो बीजेपी के सीनियर एमएलए ने सदन में कहा–ह्लकब तक..अरे कब तक भैया..कब तक कहोगे..भूतपूर्व सरकार भूतपूर्व सरकार..अब ढाई साल हो गए हैं..अब तो कुछ अभूतपूर्व करिए।ह्व याद रखा जाना चाहिए कि,राशन कार्ड कांड पर यह विशेष चर्चा बीजेपी के युवा विधायक ने आसंदी से विशेष आग्रह पर हुई थी। युवा विधायक सरकार बनने के बाद से इस मसले को उठा रहे थे,और हर बार मिनिस्टर सर का जवाब कुछ ऐसा होता था कि युवा विधायक सर पकड़ कर बैठ जाते थे। लेकिन इस बार धैर्य ही जवाब दे गया।

अब कैसे करें

कुछ अनूठा ना हो तो काहे का सुशासन भईया। सुशासन सरकार ने शमिर्ला सा आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत नजारा ये हो गया है कि, सीनियर अफसर अपने से जुनियर को रिपोर्ट करेगा,अवकाश की मंजूरी भी उसी से लेगा। बेहतर समझना है तो बस्तर में कमांडेंट पोस्टिंग और रेंज में पोस्टिंग पर नजरें इनायत करिए। पर ठीक है जो समझ ना आए बेतुका सा लगे दरअसल वही सुशासन है। तो सुशासन सरकार की जय बोल आगे बढ़िए।

ये किस रेंज का किस्सा है

एक रेंज है। वहां के रेंज मुख्यालय में पदस्थ एक छोटे साहब के जलवे और हरकतें देख लोग हैरान परेशान हैं। रेंज मुख्यालय के एसपी साहब सुलझे सयाने समझदार हैं। इसलिए अपना रास्ता खुद ही किनारे होकर चलते हैं।अपना रास्ता बचा कर चलने की वजह भी मुकम्मल है। जिस जगह की यह बात है वहां को लेकर यह खबरें हैं कि अल्फा साहब का भरपूर स्नेह और आशीर्वाद उन छोटे साहब को मिलता है। ये मोहब्बत संरक्षण ऐसा है कि,एक सिपाही जी को गंभीर मसलों के सिलसिलेवार सामने आने पर लाईन भेजा गया तो आर आर साहब उसे फिर से अपने साथ ले आए हैं,मजाल है कि कोई चूँ भी कर दे। इस नए नवेले सुदर्शन अफसर को लेकर आला अफसरों को ध्यान देना चाहिए। ऐसा जज्बाती कहाँ मिलेगा कि,स्टाफ के खिलाफ कोई शिकायत प्रमाणित रुप से हो तो कुपित होकर शिकायतकर्ता की तो गति दुर्गति करे ही,शिकायतकर्ता के साथ कोई खड़ा हो तो उनका भी दो साल तीन साल पुराना कोई मसला निकाल के उसे भी नाप दे। महकमे के बड़े साहबों को ऐसे जज्बाती का सही उपयोग करना चाहिए। जाहिर है यह तब होगा जब उसे नजरों में रखें।वर्ना इसी रेंज मुख्यालय में उसी पद पर एक लल्ला और थे जो इसी अंदाज में काम करते थे। खुद ही गैंग बनाओ खुद ही गैंग मेंबर भेजो और फिर दबिश देकर शौकीन को पकड़ो। मौजूदा छोटे साहब को उसी पोस्ट पर तैनात उस अफसर का वर्तमान पता करना चाहिए। हाँ यह ठीक है वो आर आर नहीं था। लेकिन समय आर आर और स्टेट कैडर देख कर तो चलता नहीं है।

कहना क्या चाहते हैं

हिंदू ह्रदय सम्राट जहां तक संभव हो वहां तक यह बताते हैं कि देश से प्रदेश से माओवाद नक्सलवाद खत्म हो गया है। अब इस दावे की चमक के साथ एक प्रश्न बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने लगा दिया कि,बस्तर संभाग के कितने जिले शत प्रतिशत नक्सल मुक्त हो गए। इस प्रश्न का सबसे अहम हिस्सा वह था जिसमें पूछा गया था –'नक्सलमुक्त कितनी ग्राम पंचायतों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता जारी की गई है। ज़िलेवार ग्राम पंचायतों के नाम सहित जानकारी दें। अब यह सवाल क्यों लगा क्योंकि यह सरकार की ही घोषणा थी कि,जो ग्राम पंचायत नक्सल मुक्त होगी उसे एक करोड़ देंगे। तो जाहिर है यह सवाल उठता है कि,जब देश प्रदेश से नक्सली भाग गए तो कितनी ग्राम पंचायतों को एक एक करोड़ मिला। लेकिन इसका जवाब बिल्कुल अद्भुत था। गृहमंत्री विजय शर्मा की ओर से लिखित जवाब में कहा गया–'भारत सरकार द्वारा जारी वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के श्रेणीकरण के अनुसार बस्तर संभाग के कोई भी जिला 'वामपंथ उग्रवाद' से प्रभावित श्रेणी में नहीं है। शेष प्रश्नांश की जानकारी निरंक है।' अब इस जवाब का अर्थ क्या हुआ ? इससे आगे की बात यह है कि,यदि यह जवाब सही है तो फिर यह माना जाना चाहिए कि नक्सल प्रभावित इलाक़ों में आने वाले अतिरिक्त फंड जो क्षेत्र के विकास के लिए आते हैं वो भी समाप्त हो गए होंगे। क्या वाकई ऐसा है ?

विजय शर्मा को दी जन्मदिन की बधाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

गृहमंत्री , उपमुख्यमंत्री एवं युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन के अवसर पर युवा मोर्चा के पूर्व महामंत्री कन्हैया सोनी एवं भोला साहू द्वारा द्वारा कवर्धा पहुंच कर जन्मदिन की बधाई दी गई।

युवक से 74 हजार की चोरी, ऑटो चालक व साथी गिरफ्तार

दुर्ग। बैंक में 74 हजार जमा कराने जा रहे एक युवक की जेब से नगदी चोरी करने वाले ऑटो चालक और उसके साथी को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों ने ऑटो में सवारी बदलवाने और वाहन खराब होने का बहाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, भिलाई-3 निवासी 32 वर्षीय अरविंद कुमार ने थाना पुरानी भिलाई में शिकायत दर्ज कराई कि 15 जुलाई 2026 को वह जीई रोड स्थित अपने कार्यालय से केनरा बैंक, बरोदा शाखा में 74 हजार जमा कराने जा रहा था। इस दौरान वह नीले-सफेद रंग के एक ऑटो में सवार हुआ, जिसमें पहले से दो युवक बैठे थे। ऑटो चालक ने पहले उसे पीछे और फिर आगे की सीट पर बैठाया। बैंक तक पहुंचाने के बजाय उसे चरोदा स्थित ज्योति कटिंग के पास उतार दिया। वहां जेब की जांच करने पर 74 हजार नगद गायब मिले। शिकायत पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 377/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर ऑटो क्रमांक CG 07 DB 6016 के चालक और उसके साथी को हिरासत में लिया। पहचान परेड में प्रार्थी ने दोनों की पहचान की। पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बॉबी गुरजीत सिंह (31 वर्ष) एवं धीरज वर्मा (20 वर्ष), दोनों निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (बॉम्बे आवास), जामुल, जिला दुर्ग के रूप में हुई है।

साहू समाज ने डॉ. मनराखन लाल साहू के योगदान को किया नमन

साहू मित्र सभा भिलाई नगर के तत्वाधान में युवा महोत्सव का भी आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

साहू मित्र सभा भिलाई नगर के तत्वाधान में समाज रत्न स्व. डॉ. मनराखन लाल साहू स्मृति समारोह एवं युवा महोत्सव का आयोजन रविवार को संस्कृत सदन सुपेला में किया गया। इस अवसर पर उनके सामाजिक योगदान को नमन किया गया। उन पर केंद्रित स्मारिका भी विमोचित हुआ।

प्रथम सत्र में डॉ.मनराखन लाल साहू जयंती स्मृति समारोह का आयोजन हुआ। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी बघेल थीं। सांसद निधि द्वारा निर्मित स्व.डॉ.मनराखन लाल साहू सभागार का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में तहसील अध्यक्ष खेदराम साहू ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि स्व.डॉ मनराखन लाल साहू ने समाज को संगठित करने का जो कार्य किया है वह अविस्मरणीय है। आज साहू समाज उनके द्वारा दिखाये गए मार्ग में चलकर अग्रणी समाज को परिभाषित करता है। हम उनके योगदान को नमन करते हैं। मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी बघेल ने कहा कि जो समाज अपने पुरोधा की स्मृति करता है और उनके बताए हुए रास्ते पर चलता है वह समाज उन्नति करता है।

प्रमुख अतिथि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने स्व. डॉक्टर साहू के योगदान को याद किया.एवं आज से 50 वर्ष पूर्व उनके द्वारा कम साधन में किए गए परिश्रम का उल्लेख किया ।ताम्रध्वज साहू ने कहा कि पहले समाज के लोग समाज को देने के लिए कार्य करते थे लेकिन आज की स्थिति यह है कि लोग समाज से हमें क्या प्राप्त होगा यह सोचते हैं। पहले और आज की स्थिति में यह अंतर आ गया है। स्वर्गीय डॉ. साहू ने भवन निर्माण का कार्य भी हाथ लिया था। उनका विचार था इतने बड़े साहू समाज का स्वयं का भवन भी होना चाहिए। इस दिशा में वे सफल भी हुए। उन्होंने कहा कि जरूरत इस बात की है कि केवल सुनने भर से काम नहीं होगा उनके आदर्शों को अपने जीवन में हमें उतरना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ.नीरेन्द्र साहू अध्यक्ष छ. ग. प्रदेश साहू संघ ने कहा कि स्व.डॉ.मनराखन लाल साहू ने भक्त माता कर्मा के इतिहास को खोजकर समाज के पटल में रखा और उनके द्वारा भक्त माता कर्मा का प्रथम तैलचित्र का निर्माण करवाया गया। उनके ही प्रेरणा से स्व. बेदूराम राम साहू द्वारा आरती रची गई जिसका पूरा साहू समाज आज श्रद्धापूर्वक गायन करता है। उनके द्वारा किए गए महान सामाजिक कार्यों से नई पीढ़ी को अवगत कराया जाना सराहनीय कार्य है। वक्ता राधेश्याम साहू ने स्व.डॉक्टर साहब के साथ मिलकर किए गए कार्यों एवं उनकी कायर्शैली का जिक्र किया। खिलावन साहू पूर्व कायर्कारी अध्यक्ष छ. ग.प्रदेश ने कहा कि स्व. डॉ. मनराखन लाल साहू जी की जयंती प्रदेश स्तर पर मनाई जानी चाहिए। कार्यक्रम को जागेश्वर साहू, दीपक ताराचंद साहू,चंद्रभूषण साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में श्रीमती रामशीला साहू पूर्व मंत्री, जितेंद्र साहू अध्यक्ष तेलघानी विकास बोर्ड,डॉ सुनील साहू संगठन सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ, नारद साहू, डॉ. कामता साहू, रमेश साहू, हरिद्वारिका साहू, श्याम लाल साहू,नथेलाराम साहू, सीताराम साहू उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्व. डॉ. मनराखन लाल साहू की जीवन संगिनी श्रीमती उदिया साहू भी उपस्थित थीं। प्रथम सत्र में सुभाष वर्मा फोटोग्राफर, स्व.हरिनाथ सिन्हा कलार्थी चित्रकार के परिवार का सम्मान किया गया। स्व.डॉक्टर मनराखन लाल साहू के जीवन पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कोहका एवं कैंप एक की बालिकाओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रथम सत्र का संचालन परसराम साहू एवं डॉ. भारती साहू ने किया।

द्वितीय सत्र में साहू मित्र सभा के युवा प्रकोष्ठ द्वारा युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस सत्र में शशिकांत साहू, गिरवर बंटी साहू, दिनेश साहू, तिलेश्वर साहू, यशवंत साहू, गायक नरेंद्र हिरवानी अतिथि थे। श्रीमती तरुणा साहू ने पंडवानी गायन प्रस्तुत किया। इकाई द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में पूर्व युवा प्रकोष्ठ के संयोजकों का सम्मान किया गया। द्वितीय सत्र का संचालन और आशुतोष साहू ने किया। कार्यक्रम में श्रीमती रंजना साहू, उन्मेष साहू.भरत राम साहू,हीरा शंकर साहू, श्रीमती दीपेश्वरी साहू,गजेंद्र गंजीर अरुण कुमार साहू,अजीत साहू श्रीमती, हेमा साहू, धनसाय साहू के साथ-साथ साहू मित्र सभा के समस्त प्रकोष्ठ के संयोजकगण, इकाई अध्यक्ष एवं पदाधिकारगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

PSC, व्यापमं, UTD के बाद अब कल्याण कॉलेज को मिली मुक्त विश्वविद्यालय एंट्रेंस की मेजबानी

दो शिफ्ट में 600 परीक्षार्थी शामिल, 65 प्रोफेसर्स ने संभाली व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। PSC, व्यापमं और UTD की परीक्षाओं के सफल आयोजन के बाद अब प्रदेश के एकमात्र शासकीय मुक्त विश्वविद्यालय पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिलासपुर के एंट्रेंस टेस्ट की मेजबानी भी कल्याण कॉलेज को मिली। रविवार को कॉलेज में दो शिफ्ट में प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

करीब 600 परीक्षार्थी हुए शामिल : पहले शिफ्ट में प्री-बीएड का टेस्ट हुआ। 300 में से 271 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 29 अनुपस्थित रहे। दूसरे शिफ्ट में प्री-डी.एल.एड परीक्षा आयोजित की गई। 400 सीटों वाले केंद्र में 300 परीक्षार्थी शामिल हुए और 100 अनुपस्थित रहे। पहला शिफ्ट सुबह 10 से 12:15 बजे तक चला, जिसमें 26 प्रोफेसर्स वीक्षकीय कार्य में लगे। दूसरा शिफ्ट दोपहर 2 से 4:15 बजे तक चला, जिसे 35 प्रोफेसर्स ने संभाला। कुल 65 प्रोफेसर्स ने परीक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाई।

बॉयोमेट्रिक से बचा समय, मिली राहत : इस बार परीक्षा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव देखने को मिला। पहले प्रवेश द्वार पर ही दस्तावेज और बायोमेट्रिक होता था, लेकिन इस बार हर कक्षा में बायोमेट्रिक की व्यवस्था की गई। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर से अलग टीम तैनात थी जो सीट पर जाकर एक-एक परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक करती गई। इससे छात्रों का समय बचा और बारिश में होने वाली परेशानी से भी राहत मिली।

प्रबंधन ने टीम की सराहना की : कल्याण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने कहा कि कॉलेज में लगातार प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं का सफल आयोजन होना गर्व की बात है। हमारे अधिकारी, प्राध्यापक, वीक्षक और कर्मचारी हर परीक्षा में पूरी निष्ठा से काम करते हैं, जिसके चलते परीक्षाएं सफलतापूर्वक संपन्न हो रही हैं।

परीक्षा में सहायक केंद्राध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. गुणवंत चन्द्रौल, डॉ. ईश्वर सिंह बरगाह और डॉ. रवीश कुमार सोनी सहित अन्य प्राध्यापकों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही। कल्याण कॉलेज लगातार छत्तीसगढ़ सहित देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं और विश्वविद्यालयों की भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं का सफल केंद्र बनता जा रहा है।

बारिश की परवाह किए बिना आर्टकॉम ने किया वृक्षारोपण

"हर आंगन एक पेड़" अभियान से देशभर में बनी 100 से ज्यादा टीमें

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

यथा बीजं तथा वृक्षं यथा कर्म तथा फलम् कला एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित संस्था आर्टकॉम ने अपने चर्चित अभियान "हर आंगन एक पेड़" को निरंतर आगे बढ़ाते हुए रविवार को भिलाई के पटरी पार क्षेत्र में एक बार फिर वृक्षारोपण किया।

तेज बारिश के बावजूद संस्था के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने ढांचा भवन दुर्गा पंडाल परिसर में उत्साह के साथ पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

मीडिया सहयोग से देशभर में फैला अभियान

आर्टकॉम के संचालक निशु पांडेय ने बताया कि मीडिया के सहयोग से ही संस्था का संदेश सर्व समाज तक पहुंच पा रहा है। इसी का परिणाम है कि आज पूरे देश में 100 से अधिक टीमें इस अभियान से जुड़कर काम कर रही हैं। जो लोग पहले पर्यावरण के कार्यों को निरर्थक मानते थे, आज वही लोग इस दिशा में नए-नए अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, "प्रकृति के प्रति हमारे आज के छोटे-छोटे प्रयास आने वाले समय में हरित क्रांति के रूप में भिलाई को नई पहचान देंगे।"

"हर आंगन वाटर हार्वेस्टिंग" पर भी जोर

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक करमजीत सिंह और अध्यक्ष गुरुनाम सिंह ने कहा कि "हर आंगन एक पेड़" के साथ-साथ "हर आंगन वाटर हार्वेस्टिंग" भी आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से जुड़कर अभियान को और बड़ा करने का प्रण लिया। डॉ. रमेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि आने वाले समय में इस अभियान को चरणबद्ध तरीके से 100 एकड़ तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नंदकिशोर टंडन, नैना टंडन और रणजीत सिंह सहित अन्य सहयोगियों ने विधि-विधान से पौधे रोपे। अभियान में आर्टकॉम के संचालक निशु पांडेय, संरक्षक करमजीत सिंह, भास्कर, अध्यक्ष गुरुनाम सिंह, मेघा कौर, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, संतोष जायसवाल, श्रीराम भास्कर तिवारी, रविंद्र देवांगन, काजल साहा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। आर्टकॉम प्रबंधन ने अभियान से जुड़े सभी सदस्यों और स्थानीय नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किये जाने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 5 अगस्त

दुर्ग। छ.ग. शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवषर्नुसार खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों / निर्णायकों को खेल पुरस्कार प्रदान कर राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किये जाने हेतु शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान एवं मुख्यमंत्री ट्राफी और वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाड़ियों को नगद राशि पुरस्कार एवं खेलवृति हेतु भी आवेदन आमंत्रित की गई है। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार पुरस्कारों के आवेदन पत्रो का प्रारुप मय विज्ञापन संचालनालय के विभागीय वेबसाईट http://sportsyw.cg.gov.in में उपलब्ध है। जिला कार्यालय / संचालनालय में (कार्यालयीन समय में) सभी आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05 अगस्त 2026 है। अन्य जानकारी के लिए आवेदक जिला कार्यालय / संचालनालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

गुण्डिचा मंडप सेक्टर-10 में संगीत संध्या की धूम

"जगन्नाथ जगन्नाथ, चका नैन" पर झूमे भक्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जगन्नाथ समिति, सेक्टर-4 के तत्वावधान में सेक्टर-10 में निर्मित भव्य गुण्डिचा मंडप में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रथयात्रा महोत्सव के तहत शनिवार को आयोजित संगीत संध्या में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।

इस अवसर पर "नीलिमा स्वरांजली" ग्रुप के कलाकारों ने भजन और भक्ति संगीत की प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय कर दिया। सुश्री स्वाति रावल के नेतृत्व में प्रस्तुत "जगन्नाथ जगन्नाथ, चका नैन, वो निलाचल वारे, तू ना संभले तो, हमें कौन संभाले" भजन पर पूरा पंडाल झूम उठा। भक्त देर तक गीतों पर नाचते और तालियां बजाते रहे। स्वाति रावल के साथ सरिता बिसोई, रश्मि, अपिर्ता, भारती, जूही, प्रणिता आदि गायिकाओं ने उड़िया और हिंदी भजनों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। श्री जगन्नाथ जी पर आधारित गीतों ने पूरे वातावरण को भक्ति रस से भर दिया।

अतिथियों ने किया कलाकारों का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेफी चेयरमैन एवं डीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर और बीएसपी अस्पताल के पूर्व डायरेक्टर डॉ. जोगेश मड्डुआल उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी और महासचिव सत्यवान नायक भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अतिथियों ने गायक कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और संस्था को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। महासचिव सत्यवान नायक ने रथयात्रा के अंतर्गत आगे होने वाले हेरा पंचमी, बहुड़ा रथयात्रा और नीलाद्री विजय जैसे आयोजनों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन त्रिनाथ साहू और रंजन महापात्र ने किया।

इनके सहयोग से सफल हुआ आयोजन

इस उत्सव को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष वीरेन्द्र सतपथी, महासचिव सत्यवान नायक सहित त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, अनाम नाहक, डी त्रिनाथ, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, वृंदावन स्वांई, कालू बेहेरा, सुशांत सतपथी, जगन्नाथ पटनायक, प्रकाश स्वांई, राजू बेहेरा, रवि स्वांई, कवि बिस्वाल, सीमांचल बेहरा, वी.के. होता, कैलाश पात्रो, बी.के. साहू, श्याम दलाई सहित अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करेंगे नवाजुद्दीन सोनम बाजवा के साथ बनेगी जोड़ी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है।

गिप्पी ग्रेवाल करेंगे नवाज की फिल्म का सपोर्ट?

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को गिप्पी ग्रेवाल का सपोर्ट मिलने की बात कही जा रही है। हालांकि, नवाजुद्दीन का रीजनल सिनेमा में यह पहला कदम नहीं है। वह पहले तेलुगु फिल्म 'सैंधव' और तमिल फिल्म 'पेट्टा' का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें उन्होंने रजनीकांत के साथ विलेन का रोल निभाया था। इसके बाद 'तुम्बाड 2' आने वाली है, जो 2018 की ऑरिजिनल फिल्म का सीक्वल है। रिपोर्ट की मानें तो अब नवाज जल्द ही पंजाबी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

सोनम बाजवा ने 2013 में पंजाबी फिल्म में किया अपना डेब्यू

सोनम बाजवा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2013 में पंजाबी फिल्म 'बेस्ट ऑफ लक' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 'सरदारजी 2', 'सुपर सिंह' जैसी कई फिल्मों में काम किया। बाद में उन्हें 'हाउसफुल 5', 'बागी 4', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'बॉर्डर 2' जैसे हिंदी प्रोजेक्ट्स भी मिले। नवाजुद्दीन को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' में देखा गया था।

हरियाणवी सिंगर-कंपोजर मासूम शर्मा के साथ काम करेंगी भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है।

पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू प्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है।

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजंस उत्साह जाहिर कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं- 'अरे वाह, दो फेवरेट सिंगर्स।' वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'हम बहुत उत्साहित हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'जरूर कुछ बवाल आने वाला है। हरियाणवी के साथ अपना भोजपुरी स्वैग देखने को मिलेगा'। बता दें कि

आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

'ईठा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईठा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं। बता दें कि लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित 'ईठा' 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा और जीशान अय्यूब भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

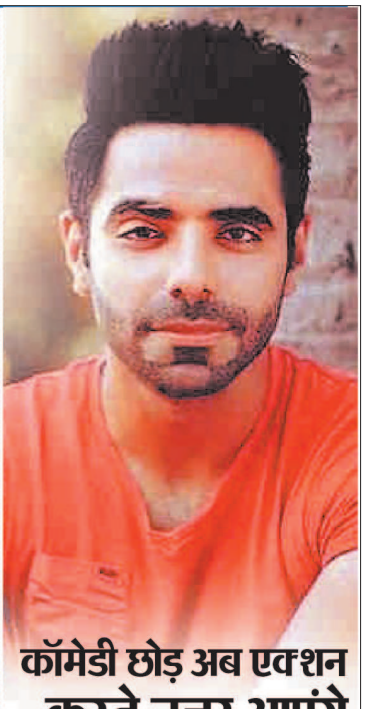

कॉमेडी छोड़ अब एक्शन करते नजर आएंगे अपारशक्ति खुराना

एक्टर अपारशक्ति खुराना अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। अब अपारशक्ति इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म 'गनमास्टर जी9' में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सेट से उनकी पहली झलक सामने आई है, जिसमें एक नजर में उन्हें पहचानना तक मुश्किल हो रहा है।

अपारशक्ति खुराना ने दिखाई अपने किरदार की झलक

अपारशक्ति ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपने लुक की झलक साझा की है। उन्होंने जबरदस्त एक्शन सीन की कई तस्वीरें और विलप्स शेयर कीं। साथ ही विलेन के रफ लुक में अपनी तस्वीरों और सेट की एक झलक भी दिखाई। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विलेन की तरह चिल कर रहा हूं। सच में...'

आखिरी बार 'जब खुली किताब' में नजर आए थे अपारशक्ति

अपारशक्ति को आखिरी बार सौरभ शुक्ला की डायरेक्ट की गई रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'जब खुली किताब' में देखा गया था। यह फिल्म सौरभ शुक्ला के ही इसी नाम के स्टेज प्ले पर आधारित है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया एक बुजुर्ग जोड़े के रोल में हैं, जो शादी के 50 साल बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। इसके बाद वह नवजोत गुलाटी की डायरेक्ट की गई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'बदतमीज गिल' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वाणी कपूर, अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड भक्ति क्लेन और मोनिका चौधरी जैसे कलाकार हैं।

एक्शन अवतार में नजर आएंगे इमरान हाशमी

'गनमास्टर जी9' का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है, जिन्होंने 'आशिक बनाया आपने' को डायरेक्ट किया था। आदित्य दत्त 'क्रैक', 'टेबल नंबर 21' और 'कमांडो' फ्रैंचाइजी के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना के अलावा जेनेलिया डिसूजा और अभिषेक सिंह भी हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी एक ऐसे एक्शन अवतार में दिखेंगे जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें शानदार विजुअल्स और इमोशनल कहानी होगी जो ज्यादातर दर्शकों को पसंद आएगी।

यश आहूजा के डेब्यू पर बोले गोविंदा

अभिनेता गोविंदा करीब सात साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाले हैं। वे फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे, जिसे प्रोड्यूस भी गोविंदा ही कर रहे हैं। इसका एलान हाल ही में गोविंदा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इसी दौरान उन्होंने अपने बेटे यश आहूजा के डेब्यू पर भी बात की और खुशी जताई। गोविंदा के बेटे यश जल्द डेब्यू करने वाले हैं। यह बात उनकी मां सुनीता आहूजा ने हाल ही में बताई थी। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। अब गोविंदा ने भी बेटे यश के डेब्यू पर बात करते हुए खुशी जाहिर की। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यश उनसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे। अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गोविंदा ने अपने बेटे के प्रतिभा की तारीफ की।

गोविंदा ने यश को बेहद प्रतिभाशाली बताते हुए कहा कि वे टेक्निकली एक अलग ही लेवल पर हैं। चाहे एक्टिंग हो, डांस हो, एक्शन हो या बस उनकी ओवरऑल पर्सनैलिटी, उनमें बहुत कुछ है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे मुझसे भी ज्यादा कामयाबी हासिल करेंगे।

अंजलि आनंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें अक्षय कुमार की फिल्म 'बेल बॉटम' में इसलिए कास्ट किया गया था क्योंकि वह मोटी हैं और ताकि एक टेररिस्ट उन पर गिर सके। उन्होंने कहा कि जब लोग इन चीजों का मजाक उड़ाते हैं तो उन्हें बुरा लगता है।

उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती

स्क्रीन के साथ बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है। ये बस ऐसे लोग हैं जो सिर्फ इसलिए अपनी राय देना चाहते हैं क्योंकि वे ऐसा कर सकते हैं। उनकी सोच आपकी असलियत नहीं बदलेगी।

किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए सोशल मीडिया देख किसी रिश्ते को मत आंकिए

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए।

अच्छा पिता बनने की कोशिश कर रहा हूं

आठ साल की बेटी इनाया के पिता कुणाल एक आदर्श पिता कहलाने पर शरमा जाते हैं। वह कहते हैं, 'लोग जब कहते हैं कि मैं एक अच्छा पिता हूं। बेटी ने मुझे कितना बदला है? तो ऐसे सारे सवालों पर मैं थोड़ा झिझक जाता हूं। सच कहूं तो मैंने और सोहा ने कभी किसी की सलाह लेकर पैरेंटिंग नहीं की और न ही कोई किताब पढ़कर। हम बस वही करने की कोशिश करते हैं, जो हमें सही लगता है। लेकिन जब कोई मुझे अच्छा पिता कहता है तो मैं थोड़ा असहज हो जाता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इसका कोई तय जवाब या फॉर्मूला है। मैं रोज सुबह उठकर यही सीखता हूं कि आज अपनी बेटी लिए बेहतर कैसे बन सकता हूं। अगर लोग मुझे अच्छा पिता कहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात है। मैं अभी उसके करीब पहुंचने की कोशिश ही कर रहा हूं।'

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है

एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला।

फिल्ममेकिंग का प्रॉसेस उल्टा हो गया है

निर्देशक के रूप में कुणाल की फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी, लेकिन पिछले कुछ समय से अच्छी फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पा रही हैं। इस पर अपनी राय रखते हुए वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं बैलेंस बिगड़ गया है। हम अक्सर यह सवाल तब पूछते हैं जब फिल्में नहीं चलतीं। जब फिल्में चलती हैं तो कोई यह नहीं पूछता कि ऐसा क्यों हुआ। असल में पिछले कुछ सालों में फिल्म बनाने का प्रोसेस थोड़ा उल्टा हो गया। पहले होना यह चाहिए कि आपके पास एक अच्छी कहानी हो और एक डायरेक्टर हो जो उसकहानी को पूरी ईमानदारी से कहना चाहता हो। उसके बाद कलाकार चुने जाएं। लेकिन कई जगह पहले स्टार तय हो जाता है, फिर बजट तय होता है और बाद में कहानी ढूंढी जाती है। यहीं गड़बड़ शुरू होती है।'

हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर और
सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष
इन्द्रजीत सिंह
"छोटू" भाई
को
जन्मदिन
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं...
विनीत
गोकुल शर्मा, सेक्टर-1 भिलाई
एवं मित्रगण

राष्ट्रीय खेल नीति के सभी प्रावधान लागू करेगी छत्तीसगढ़ हॉकी - फिरोज अंसारी

छत्तीसगढ़ हॉकी की विशेष आमसभा सम्पन्न

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी राजनांदगांव में शनिवार को छत्तीसगढ़ हॉकी की विशेष आमसभा संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक द सिंग होटल के बैंकेट हॉल में आयोजित की गई। आमसभा का शुभारंभ अध्यक्ष फिरोज अंसारी के स्वागत भाषण से हुआ। महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कार्यवाही प्रारंभ की।

राष्ट्रीय खेल अधिनियम 2025 लागू करने पर जोर

बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के राजपत्र में जारी राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम 2025, राष्ट्रीय खेल निकाय नियम 2025 और 31.12.2025 की अधिसूचना के प्रावधानों को छत्तीसगढ़ हॉकी में लागू करने का प्रस्ताव पारित करना था। अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि विगत वर्ष छत्तीसगढ़ हॉकी के लिए ऐतिहासिक रहा। छत्तीसगढ़ शासन और खेल विभाग खिलाड़ियों की सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारा प्रयास रहेगा कि प्रदेश की प्रतिभाओं को हमेशा सम्मान मिले। उन्होंने सभी जिला हॉकी संघों को निर्देश दिया कि हॉकी को बढ़ावा देने के लिए ग्रासरूट स्तर पर काम किया जाए। जिला संघों को फर्म/सोसायटी रजिस्ट्रेशन, पैन कार्ड और बैंक खाता सहित सभी दस्तावेज पूर्ण करने होंगे। नियमों का पालन करने पर हॉकी इंडिया द्वारा जिला इकाइयों को अनुदान राशि दी जाएगी। साथ ही छत्तीसगढ़ हॉकी द्वारा रजिस्टर्ड खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक भी प्रदान की जाएगी।

बजट पारित, स्पर्धाओं के स्थल तय

महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत कर अनुमोदन कराया। उन्होंने पिछले कार्यकाल में हॉकी के विकास के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। बैठक में आगामी वर्ष के लिए सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के स्थलों का चयन भी किया गया। बैठक में बताया गया कि छत्तीसगढ़ हॉकी के प्रयासों से प्रदेश की विभिन्न आयु वर्ग की टीमें देश की टॉप-8 में स्थान बना चुकी हैं। वहीं जूनियर महिला टीम देश की शीर्ष-4 टीमों में शामिल है।

पदाधिकारियों ने दिए सुझाव

जिला हॉकी जांजगीर-चांपा के अध्यक्ष गोपेश्वर कहरा ने कहा कि बैठक में लिए गए निर्णयों का सभी जिला संघों को पालन करना चाहिए। सभी एकजुट होकर ग्रासरूट हॉकी को बढ़ाएं और स्पोर्ट्स कोड के नियमों का पालन करें। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे और इरफान अय्यूब ने कहा कि ग्रासरूट स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी सराहनीय कार्य कर रही है। वरिष्ठ कोच अनुराज श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों में क्वालिफाइड कोच द्वारा प्रशिक्षण दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। अंत में संयुक्त सचिव गोपेश्वर कहरा ने आभार व्यक्त किया। संचालन महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने किया।

बैठक में कोषाध्यक्ष आशा थॉमस, उपाध्यक्ष एम.वाई. कुरैशी, जिला सचिव शिवनारायण धकेता, नीलमचंद जैन, रवि पारिख, अमिताभ मानिकपुरी, नियाजुद्दीन शेख, मोहम्मद तारिक कुरैशी, शकील अहमद, बबीता लिल्हारे, अजीत गौतम, धनीराम यादव सहित प्रदेशभर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्पेन बना फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन 2026

संघर्षपूर्ण फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, टॉरेस फेरॉन ने दागा विजयी गोल

नई दृष्टिबिंदु / न्यूजर्सी (न्यूयार्क)

फुटबॉल की दुनिया में नया इतिहास रचते हुए स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। रोमांचक और संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में स्पेन ने गत विजेता अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर दूसरी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

टॉरेस फेरॉन बने हीरो : पूरे मैच में दोनों टीमें बराबरी की टक्कर देती रहीं, लेकिन 78वें मिनट में स्पेन की तरफ से 07 नंबर की जर्सी पहने टॉरेस फेरॉन ने शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल ही मैच का निर्णायक साबित हुआ। फेरॉन के इस गोल के साथ ही स्पेनिश खेमे में जश्न का माहौल बन गया।

अर्जेंटीना के गोलकीपर की तारीफ : हालांकि अर्जेंटीना को हार मिली, लेकिन उनकी टीम के गोलकीपर का प्रदर्शन सबसे दर्शनीय रहा। उन्होंने मैच में कई बार स्पेन के पक्के लग रहे गोल बचाए और अर्जेंटीना को मैच में बनाए रखा। विशेषज्ञों ने भी उनके रिफ्लेक्स और डिफेंस को फाइनल का बेस्ट प्रदर्शन बताया। पूरा मैच कांटे का रहा। स्पेन ने बॉल पोजेशन पर दबदबा बनाए रखा तो अर्जेंटीना ने काउंटर अटैक से जवाब दिया। लेकिन अंतिम 15 मिनट में स्पेन का दबाव भारी पड़ा और उसी का नतीजा विजयी गोल के रूप में सामने आया।

स्पेन के लिए ऐतिहासिक जीत : 2010 के बाद स्पेन ने दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता है। इस जीत के साथ स्पेन ने साबित कर दिया कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण आज भी विश्व फुटबॉल में सबसे मजबूत है। मैच खत्म होते ही मैदान पर जश्न, पटाखे और स्पेनिश झंडों की लहर देखने को मिली। लाखों फैंस ने टीवी और स्टेडियम में इस ऐतिहासिक पल को देखा। फीफा 2026 के इस फाइनल ने एक बार फिर साबित किया कि फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं, जज्बात है।

70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए विशेष वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनेगा : पार्षद मनीष यादव

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग एवं रिसाली नगर निगम की टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 25 आशीष नगर पश्चिम के नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु 3 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

वार्ड पार्षद मनीष यादव ने बताया कि यह शिविर 20 जुलाई सोमवार, 22 जुलाई बुधवार एवं 23 जुलाई गुरुवार को सार्वजनिक दुर्गा मंच, आशीष नगर पश्चिम, रिसाली में आयोजित किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि देश का कोई भी गरीब व्यक्ति इलाज के अभाव में न रहे। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी वय वंदन आयुष्मान कार्ड के माध्यम से यह सुविधा मिलेगी। मेरा सभी वाडवासियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपना कार्ड बनवाएं।

उन्होंने आगे कहा "जिन लोगों का पहले से आयुष्मान कार्ड बना हुआ है लेकिन उसमें अपडेट नहीं है, वे भी इस शिविर में आकर अपना कार्ड अपडेट करवा सकते हैं। हमारी कोशिश है कि वार्ड का एक भी पात्र व्यक्ति इस योजना से वंचित न रहे।" शिविर में लाने के लिए आवश्यक दस्तावेज है राशन कार्ड, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर अनिवार्य है। पार्षद मनीष यादव ने वार्ड की सभी माताओं, बहनों एवं बुजुर्गों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करें।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100